



International Journal of Home Science

ISSN: 2395-7476

IJHS 2025; 11(2): 423-428

© 2025 IJHS

www.homesciencejournal.com

Received: 23-05-2025

Accepted: 30-06-2025

डॉ. मनीषा कुमारी

आई. जी. आर. एस. एल. एन

कॉलेज जितवारिया, एल. एन. एम.

यू. से पीएच.डी., गृहविज्ञान

विभाग, बिहार, भारत

बिहार के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में गृहविज्ञान विषय का योगदान

मनीषा कुमारी

DOI: <https://www.doi.org/10.22271/23957476.2025.v11.i2f.1897>

सारांश:

गृह विज्ञान विषय महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, अथवा इसके विषय क्षेत्र को महिलाओं ने भली भांति अपने जीवन में समाहित कर लिया है। यू. तो गृहविज्ञान विषय 1932 में लेडी इरविन कोलेज दिल्ली में शुरू की गई जबकि 1982 में राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना की गयी। बिहार राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत कॉलेजों में गृह विज्ञान विषय की पढ़ाई कला एवं विज्ञान संकाय में होती है। इसके अलावे यह विषय अशिक्षित लोगों के लिए भी प्रसार शिक्षा अनौपचारिक, रूप से रोजगार एवं स्वरोजगार से संबंध रखता है। खास कर महिलाएं आहार व्यवस्था, बाल देखभाल एवं स्वास्थ्य, गृह साजसज्जा, वस्त्रों का संरक्षण आदि को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उपयोग में लाती हैं। महिलाएं निजी (पारिवारिक एवं सार्वजनिक क्षेत्र दोनों में योगदान देकर देश के आर्थिक सुधार में भाग ले रही हैं फिर भी उनका काम श्रमिक सांख्यिकी रिपोर्ट में शामिल नहीं होता। गृह विज्ञान विषय से स्नातक या स्नातकोत्तर की डिग्री लेने वाले छात्र-छात्राएं न केवल सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं बल्कि डायटिशियन, बालविकास परियोजना पदाधिकारी, फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर, ड्रेस डिजाइनर, आदि पद एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं। बिहार राज्य में NIN एवं CFTRI जैसी संस्थान की कोई ब्रांच नहीं है। निफ्ट पटना के छात्रों का अधिकतम पैकेज लगभग 16 लाख प्रति वर्ष प्राप्त करते हैं। अन्य शैक्षणिक संस्थानों से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त छात्र छात्राएं 3 से 5 लाख प्रतिवर्ष आय प्राप्त करते हैं। मारथा सी. नुसवाम के अनुसार महिलाएं दिन भर घरेलू एवं स्वरोजगार दोहरे कार्यभार में व्यस्त रहती हैं, सारा दिन शारीरिक रूप से थकने के बाद आराम से वंचित रहती हैं। उन्हें अपनी क्षमता के विकास के लिए दो विकल्पो-पारिवारिक दायित्व तथा कैरियर निर्माण में से एक चुनाव का अवसर नहीं मिलता ऐसे विषम एवं दोहरे मानदंडों में गृह विज्ञान विषय कड़ी बनकर सामंजस्य स्थापित करता है तथा बिहार जैसे पिछड़े राज्य की सामाजिक एवं आर्थिकविकास में भागीदारी सुनिश्चित करती है।

कूटशब्दा: गृह विज्ञान, रोजगार, बिहार, स्वरोजगार, कला और विज्ञान

प्रस्तावना

बिहार राज्य आर्थिक दृष्टि से काफी पिछड़ा है एक रिपोर्ट आर्थिक सर्वेक्षण (2022-23) के अनुसार, महिला भागीदारी दर पुरुष श्रमशक्ति सहभागिता से काफी नीचे थी। (बिहार इकनॉमिक सर्वे) बिहार राज्य में रोजगार के सीमित अवसर हैं जबकि जनसंख्या घनत्व 382 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर

Corresponding Author:

डॉ. मनीषा कुमारी

आई. जी. आर. एस. एल. एन

कॉलेज जितवारिया, एल. एन. एम.

यू. से पीएच.डी., गृहविज्ञान

विभाग, बिहार, भारत

(2011 जनगणना रिपोर्ट), अर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन बिहार राज्य के सामाजिक विकास के लिए आवश्यक है। गृह विज्ञान विषय बहुआयामी तरीके से रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए व्यवसायिक कौशल को बढ़ाने की क्षमता रखता है। गृह विज्ञान विशेषज्ञ राजममाल देवदास के शब्दों में गृह विज्ञान की शिक्षा प्राप्त कर एक लड़की आदर्श पाक विशेषज्ञा, भोजन प्रबंधक, डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक गवर्नेस, शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, गृह प्रबंधक, गृहसज्जाकार एवं सामाजिक कार्यकर्त्री बनती है। इन सबसे उपर वह स्नेहमयी पत्नी व माँ होती है। संसार का कोई भी कार्यक्षेत्र इतना बहुआयामी है। वर्तमान स्थितियों का अवलोकन करने पर गृहविज्ञान शिक्षा पहले की तुलना में बिहार के परिवेश में ज्यादा सटीक साबित होती है।

विविध क्षेत्र में गृह विज्ञान शिक्षा का प्रभाव *1 शाँ, पी, जी. (2020)।

(I) प्रसार शिक्षा: अनौपचारिक रूप से गृहविज्ञान विषय सरकार द्वारा सरकारी सहायता ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार एवं आय वृद्धि के लिए वैज्ञानिक क्रियाकलाप द्वारा शिक्षित किया जाता है। बिहार में कृषि विज्ञान प्रशिक्षण, पोषण संबंधी कार्यक्रम परिवार नियोजन कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं बाल कल्याण कार्यक्रम राष्ट्रीय बचत योजनाओं की जानकारी ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को उपलब्ध करा सकती है। ग्रामीण परिवार में आय के स्रोत खेती, पशुपालन, अनाजों अनाजों का उचित भंडारण फल, सब्जियों का उत्पादन आदि बिहार की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। बिहार सब्जियों के उत्पादन में चौथा एवं फलों का आठवां सबसे बड़ा उत्पादक है। आलू और आम उत्पादन-तीसरे स्थान, मखाना, लीची, मशरूम में नंबर 1 इसके अलावे शहद भिंडी और केला का प्रमुख उत्पादक है। *2 (बिहार न्यूज़) 17 मार्च 2025.

(II) खाद्य एवं पोषण विज्ञान: आहार विज्ञान की

जानकारी आहार विशेषज्ञ न्यूट्रिशियन लैब असिस्टेंट, फूड एनालिस्ट, क्वालिटी एनालिस्ट, क्वालिटी मैनेजर आदि पद खाद्य संरक्षण विभागों में सृजित किए गये हैं। राष्ट्रीय खांडा प्रोद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना से बिहार खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा *3 केन्द्रीय बजट (2025-26) प्रेस विश्राप्ति।

(III) वस्त्र विज्ञान एवं परिधान: गृह विज्ञान विशेषज्ञ वस्त्रों का चयन, सिलाई, डिजाइनिंग एवं हैंडलूम परिधान के व्यवसाय। भली भाँति संचालित कर सकती है। बिहार में विशेष रूप से मधुबनी पेंटिंग भागलपुरी हेण्डलूम को अन्य कढ़ाई कला बुनाई, एवं वस्त्र विनिर्माण द्वारा अनोखे उत्पाद बनाये जा सकते हैं। लॉण्ड्री व्यवसाय बहुत कम लागत से शुरू किया जाने वाला उभरता क्षेत्र है। ड्राइक्लीनिंग के लिए वस्त्र पहचान एवं देखभाल की जानकारी होनी चाहिए। *3 केन्द्रीय बजट (2025-26) प्रेस विश्राप्ति।

(IV) बाल विकास: मातृ कला एवं बाल स्वास्थ्य एवं देखभाल गृह विज्ञान की ऐसी विद्या है जो महिलाओं को पूर्णतः समर्पित है। ईश्वर प्रदत्त गुण के साथ गृह विज्ञान विशेषज्ञ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की आइसीडीएस योजनाओं में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, सेविका आदि के रूप में सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रही है। इसके अलावे डे केयर सेंटर, प्री स्कूल शिक्षण केंद्र, क्रेच (कामकाजी माताओं के बच्चों की देखभाल हेतु) आदि स्थापित कर बालक अभिभावक एवं स्वयं हेतु महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वाह कर सकती है। *5 सिंह, वृंदा (बालविकास 2020)

(V) गृह प्रबंधन: गृह विज्ञान विशेषज्ञ प्रबंधन के क्षेत्र में कैटरिंग, मैनेजर, अतिथ्य सत्कार, इवेंट्स मैनेजर, होम डेकोरेटर संसाधन प्रबंधन क्षेत्र आसानी से संभाल सकती है। पारिवारिक, लक्ष्य, मूल्य, निर्णय, बजट प्रबंधन, उपभोक्ता अर्थशास्त्र जैसे

विषय गृहणी के लिए उपयोगी है तथा बचत के तरीको से अपनी सेविंग्स पढ़ाने तथा आय के नये स्रोत भी ढूँढ सकती है। गृह प्रबंध की समझ हाउसकीपिंग खासकर ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता एवं सौन्दर्यबोध के दृष्टिकोण से उपयोगी है। *6 सिंह वृंदा, (2012) आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 रिपोर्ट में ग्रामीण बेरोजगारी दर 0.9% तथा शहरी महिलाओं में 9.1% है बिहार में औसत बेरोजगारी दर पुरुषों में 3.6% तथा महिलाओं में 1.4% है गृह प्रबंध क्षेत्र उपयुक्त है मगर रोजगार नहीं | * 7 संदीप लाइव हिन्दुस्तान 28 फर. 2025

*** गृह विज्ञान कैरियर को मजबूती देने वाले भारतीय बाजार के आंकड़े * 8 निहलानी.डी (2024)**

क्षेत्र	वर्ष/अवधि	अनुमानित बाजार मूल्य/आकार
क्लिनिकल पोषण बाजार	2030	\$977.2 मिलियन
इंटीरियर डिजाइन बाजार	2024	\$22.21 बिलियन
कपड़ा उद्योग	2033 तक	\$475.7 बिलियन
स्वास्थ्य क्षेत्र	2030 तक	2.4 मिलियन कार्यबल

गृह विज्ञान विषय कई विधाओं जैसे रसायन, भौतिकी, जीवविज्ञान, स्वच्छता, अर्थशास्त्र, बाल विकास समाजशास्त्र, मनोविज्ञान आदि विषयों को समाहित किए है इस तरह इस विषय का दायरा काफी विस्तृत है |

- **पाठ्यक्रम एवं रोजगार:** दसवीं में गृह विज्ञान विषय का चुनाव कर बच्चें अपनी रुचि, प्रतिभा एवं नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ गृहकार्य दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। स्नातक डिग्री लेने के लिए 10+2 में एक विषय गृहविज्ञान हो तो अच्छा है। पोस्ट ग्रेजुएशन डॉक्टरेट एवं पोस्ट डॉक्टरेट आदि तक की शिक्षा ली जा सकती है। शोध अध्यापन के क्षेत्र में फूड साइंटिस्ट, रिसर्च एसोसिएट व्याख्याता के रूप में, उच्च माध्यमिक विद्यालयों, एवं महाविद्यालयों में अध्यापन किया जा सकता है। एक योग्य

कार्यकर्ता के रूप में गृह विज्ञान विशेषज्ञ बाल भवन, हॉलीडे होम्स यूथ हॉस्टलस, खेलकेन्द्र, लाइब्रेरी क्लब, रेडियो स्टेशन आदि में स्वयं एवं बच्चों के शौक था मनोरंजन के दृष्टिकोण से प्रभावी सफल संचालन कर सकती है * 9 अग्रवाल. एन. त्रिपाठी, ए. (2015) इन सब के अलावे मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्री कम्पनी में टेक्नीकल जॉब, प्रसार कार्यकर्ता के रूप में गैर सरकारी आर्गनाइजेशन टूरिस्ट रिजॉर्ट होटल, रेस्तरां आदि में सर्विस जॉब, बेबी फूड आइटम्स का सेल्स | जॉब आदि प्रमुख कैरियर विकल्प में 3-5 लाख सलाना आय अर्जित की जा सकती है (नवभारत टाइम्स) राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान, पटना में पाठ्यक्रम फीस 25.68 हजार से 12.34 लाख तक ली जाती है प्लेसमेंट रेटिंग 95% तथा पैकेज-16 लाख- (2024) से अधिक प्राप्त करते हैं। *10 (वेवसाइट निफ्ट)

शोध प्राकल्पना

- **H₁:** गृह विज्ञान सरल एवं विस्तृत क्षेत्र विस्तार रखता है। मानव जीवन के सभी पक्ष गृह विज्ञान विषय से सम्बंधित है।
- **H₂:** गृह विज्ञान विषय रोजगारोन्मुख है तथा विषय विशेषज्ञ सम्मान जनक वेतन एवं आय प्राप्त करते हैं।

उद्देश्य

- बिहार में गृह विज्ञान विशेषज्ञों के रोजगार एवं स्वरोजगार के वर्तमान स्थिति की समीक्षा |
- गृह विज्ञान शिक्षा की वास्तविक स्थिति पता लगाना |
- भविष्य में विषय की प्रासांगिकता की किए संभावना एवं नए अवसरों के लिए दिशा निर्देश।

शोध विधि: (i) साहित्य समीक्षा के माध्यम से सेकन्डरी डाटा-सरकारी रिपोर्ट, पत्र पत्रिकाएँ, समाचार

पत्र, पुस्तकें रिसर्चजर्नल आदि के माध्यम से आँकड़े एकत्र किए गये ।

(ii) बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट छात्र छात्राओं का साक्षात्कार ।

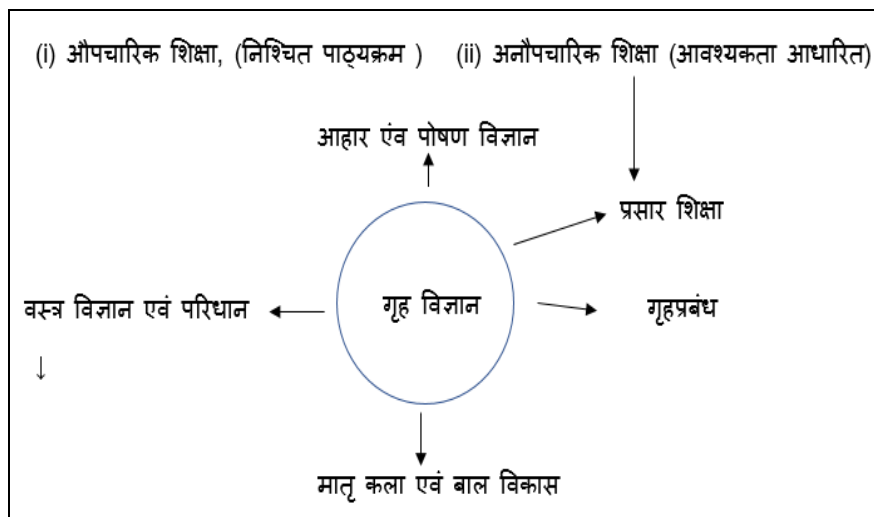
डाटा संग्रह: प्रभात खबर की एक रिपोर्ट के अनुसार बिहार राज्य स्तरीय 10 विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान विषय की पढ़ाई कला संकाय में होती है (दिनांक 21.9.20)। 3 विश्वविद्यालय में कुल 63 पोस्ट ग्रेजुएशन कॉलेज है (दिनांक 19 फरवरी 2025) गृह विज्ञान एम.एस. सी के लिए 2 कॉलेज है। बिहार उच्च माध्यमिक गृह विज्ञान शिक्षक भर्ती गर्ती 2023 में 1275 रिक्तियों के लिए आवेदन मांगा गया 1238 उम्मीदवारों का चयन किया गया * 11 विज्ञापन संख्या 27/23 बिहार राज्य में गृह विज्ञान विषय असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अमीदवारों की संख्या 1676 जबकि कुल सीट 86 के लिए चयन हुआ । *12 विज्ञापन संख्या 10/21 दिनांक-21-9-20 सैम्पलिंग विधि द्वारा विभिन्न

विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुट 50 छात्र छात्राओं के साक्षात्कार माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार एवं गृह कार्य दक्षता की समीक्षा की गई।

निष्कर्ष

बिहार राज्य में गृह विज्ञान विषय काफी लोकप्रिय है छात्र छात्राओं के लिए सरल, रुचिकर एवं गृह कार्य दक्षता द्वारा जीवन के प्रत्येक पक्ष से संबंधित है वर्तमान वैज्ञानिक विकासशील समाज (ग्रामीण एवं शहरी) हेतु ऐसे विषय के पान की आवश्यकता है जो निरंतर गतिशील एवं भविष्यवादी हो जो मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष से संबंधित है (1 शॉ, पी. गीता पृष्ठ-200) विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक गतिविधि छात्रों में कौशल निर्माण करती है। यह विषय ग्रामीण एवं शहरी दोनों के लिए उपयुक्त है।

गृहविज्ञान विषय क्षेत्र का डायग्राम



औपचारिक शिक्षा के माध्यम से सहविज्ञान शैक्षणिक गतिविधि में सफल है एवं अनौपचारिक रूप से स्वरोजगार उपलब्ध करने के लिए छात्रों एवं जन समूह को तैयार करता है। है। गृहकार्य दक्षता का लाभ विषय विशेषज्ञ के परिवार एवं समाज को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, मातृकला बालविकास भोजन प्रबंधन आदि क्षेत्रों में मिलता रहा है। कई

ऐसे भी क्षेत्र हैं जहाँ अनुभवी विशेषज्ञ औसत आय अर्जित कर रहे हैं जो परिवार के भरण पोषण के लिए उपयुक्त हैं।

H₁ सत्य है । H₂ भी सत्य है: परन्तु क्रिमीलेयर वेतन, प्राप्त करने के लिए ज्ञान कुशलता आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण से हासिल हो सकता है। निफ्ट पटना जैसे संस्थान में दाखिला काफी मुश्किल है।

छात्र रुचि रुचि. के अनुसार संस्थान की की संख्या एवं सीट बढ़नी चाहिए। मैनेजमेंट, फैशन टेक्नोलॉजी, फूड सेफ्टी आदि के संस्थान की भारी कमी एवं उच्च शुल्क मध्यम वर्गीय परिवार वहन नहीं कर सकता। पारिवारिक एवं सामाजिक दबाव लड़कियों को शिक्षा एवं रोजगार के प्रति उत्साह को कम करने में ज्यादा सक्रिय है। NIN, CETRI जैसे संस्थान की कोई इकाई बिहार में स्थापित नहीं है। व्यवहारिक पोषण कार्यक्रम आंगनबाड़ी के माध्यम से चलाये जा रहे हैं इस क्षेत्र में गृह विज्ञान विशेष अच्छी संख्या में रोजगार एवं सामाजिक सहभागिता रखते हैं। प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर जैसे उच्च पद छात्र अनुपात में सृजित नहीं है। गृहविज्ञान विषय बदलते आर्थिक परिप्रेक्ष्य में अकादमिक विषय से ज्यादा व्यवहारिक जीवन एवं पारिवारिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है आर्थिक दृष्टिकोण से छात्र छात्रा औसत से उपर नहीं आ पा रहा है।

सलाह एवं सुझाव

- बिहार सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास को लक्षित करके गृह विज्ञान विषय की शिक्षा के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थान की ब्रांच बिहार के विभिन्न जिलों में स्थापित की जाय।
- जन जागरूकता के माध्यम से महिलाओं को ऐसे प्लेटफार्म उपलब्ध कराये जाय जिसमें महिलाएं परिवार के साथ आय के स्रोत बढ़ा सके। ईहाट, मेला आदि समय समय पर आयोजित हो।
- गृह विज्ञान विषय के क्षेत्र विस्तार के साथ रोजगार के नए क्षेत्र विकसित किए जाय जैसे प्रमुख उत्पादक क्षेत्र में उद्योग धंधे विकसित करने के लिए सरकारी सुविधाएं एवं प्रोत्साहन राशि भुगतान की जाय।
- बिहार राज्य में मैनेज्मेंट कम्पनी की संख्या बढ़ाई जाय।

- आहार संरक्षण के क्षेत्र को फूड प्रोसेसिंग यूनिटों से जोड़कर और विस्तृत आयाम दिया जाय मखाना, आलू लिची, आम, शहद, आदि के उत्पाद के जा टैग एवं अन्य मानक से जोड़कर प्रोडक्शन एवं सप्लाय बढ़ाई जाय।
- यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन द्वारा निर्धारित रूप रेखा के अनुरूप पाठ्यक्रम अध्ययन एवं रिसर्च हेतु आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की जाय।
- अखिल भारतीय गृह विज्ञान संघ (HSAI) सम्मेलनों में गृह विज्ञान से संबंधित समस्याओं सुझावों को अध्ययन अध्यापन की नूतन योजनाओं को क्रियान्वित की जाय।

संदर्भ सूची

1. शॉ, पुष्प, जी. शॉ, पुष्प, राबिन. त्यागी, एस. शॉ, एस. जे, प्रसार शिक्षा एवं संचार व्यवस्था, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा पृष्ठ-197-230
2. गुप्ता, खुशबू, बिहार-यूज: फल सब्जी उत्पादन में बिहार ने भरी उड़ान (17 मार्च 2025), firstbihar.com
3. प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय बजट 2025-26, दिनांक १ फरवरी 2025 bih.gov.in
4. खनूजा, आर. (2017) वस्त्र विज्ञान के सिद्धांत, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा पृष्ठ-136.
5. सिंह, वृंदा. बाल विकास (2020) पंचशील प्रकाशन, जयपुर पेज-534
6. सिंह, वृंदा (2012), गृह प्रबंध एवं आन्तरिक सज्जा पंचशील प्रकाशन जयपुर पेज-73-92
7. संदीप. (25 फरवरी 2025), गाँव से ज्यादा शहरों में बेरोजगार बिहार में 3 फीसदी बेरोजगारी दर आर्थिक सर्वेक्षण आँकड़े हिन्दुस्तान लाइव, www.livehindustan.com
8. निहलानी दिया, (20 दिसम्बर 2024) गृह विज्ञान कैरियर गाइड: भूमिकाएं वेतन 2025 और भविष्य में संभावनाएं, www.siksha.com
9. अग्रवाल, नीता। त्रिपाठी, आकांक्षा. (2015) मानव विकास, अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा पेज-477

10. विज्ञापन संख्या 27/23 बिहार शिक्षक नियुक्ति प्रतियोगिता विषय गृह विज्ञान (कक्षा 11-12)| Statebihar.gov.in
11. विज्ञापन संख्या AP HOME-10/2021 गृह विज्ञान सहायक प्रोफेसर चल रही नियुक्तिया, bsusc.bihar.gov.in
12. (viii) गृह विज्ञान विशेषज्ञ की बहुमुखी प्रतिमा को मैनपावर के रूप में शिक्षित एवं प्रशिक्षित करके विशेष क्षेत्र सुचारु रूप से चलाये जाय।